Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ
कल की ओर...

फिट यूथ
फिट इंडिया

Nehru Yuva Sandesh

23th National Youth Festival, 12 – 16 January, 2020, Luckow, Uttar Pradesh

Vol. 23/3 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Tuesday, 14 January, 2020

युवाकृति
लुभाता हस्त शिल्प का संसार

किसी स्टाल के सामने से गुजरते हुए यदि आपके कदम बरबस ठिठक जाएँ तो समझिये आप देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के किसी हस्तशिल्पकार की कला, उसके हाथों के हुनर से रूबरू हैं।

इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान में सजे युवा शिल्प ग्राम में आयोजित युवा कृति प्रदर्शनी में ऐसा ही माहौल है। हमारे देश की विविधवर्णी संस्कृति में जहाँ गीत–संगीत और नृत्यों का शुमार है वहीं विभिन्न प्रान्तों का हस्तशिल्प भी अत्यन्त आकर्षक है। युवाकृति में यही आकर्षण लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं स्वयं सहायता समूहों की हस्तकलाओं को प्रोत्साहन प्रदान करता है। 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में आयोजित युवा कृति नेहरु युवा केन्द्रों द्वारा संचालितं व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रशिक्षणार्थी युवा एवं स्वयं सहायता समूहों के साथ–साथ युवा एवं महिलां मण्डलों के हस्तशिल्पकारों द्वारा उत्पादित कलात्मक नमूनों की प्रदर्शनी है।

युवाकृति में लगाए गए सत्तर से अधिक स्टालों पर देश के विभिन्न प्रान्तों की हस्तकलाओं के आकर्षक नमूने विक्रय के लिए उपलब्ध हैं। युवाकृति प्रदर्शनी 16 जनवरी तक प्रातः 10 बजे से लेकर रात्रि 8 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

पूर्वी राज्यों में बिहार के भागलपुर जिले से मंजूषा सिल्क के कलात्मक उत्पाद, मधुबनी जिले से पारंपरिक मधुबनी पेन्टिंग्स, पोस्टर, वॉल हेंगिंग और साडियां, झारखंड राज्य के धनबाद जिले से जूट और सूती वस्त्रों से निर्मित सामग्री, गिरीडीह जिले से बाँस और काष्ठ की कृतियाँ, उड़ीसा के ढेंकानाल जिले से धातु शिल्प, कालाहांडी से काष्ठ शिल्प, तथा जगन्नाथपुरी से वस्त्र, पश्चिम बंगाल के रघुनाथपुर से शंख और सीप से बनी कृतियाँ, पुरुलिया से पारंम्परिक मुखौटे, लकड़ी के लैम्प शेड, बर्दमान से पारंपरिक वस्त्र, दक्षिण दिनाजपुर से काष्ठ और मृदा शिल्प प्रदर्शित किये गये हैं।

पश्चिमी राज्यों में गुजरात के कच्छ से सूती वस्त्र, वलसाड़ से बाँस शिल्प, पाटन से पैंचवर्क सामग्री, महाराष्ट्र के बुलढ़ाणा से काष्ठ शिल्प, राजस्थान के उदयपुर से पारम्परिक वस्त्र, जयपुर से संगमरमर के शिल्प, मध्य प्रदेश के अशोक नगर से पारम्परिक चन्देरी वस्त्र, जबलपुर से संगमरमर की कलात्मक वस्तुएँ, उज्जैन से भैरवगढ़ प्रिन्ट की चादरें और ड्रेस मेटीरियल और सिवनी से खिलौने, छत्तीसगढ़ के रायपुर से कोसा वस्त्र, आदिवासी कलाकृतियां प्रदर्शित की गयी हैं।

उत्तरी राज्यों में पंजाब के रोपड़ से फुलकारी कृतियां, हरियाणा के करनाल से जूट से बनी सामग्री, हिमाचल के कुल्लू से ऊनी शालें, टोपियां आदि, जम्मू कश्मीर से पारम्परिक कश्मीरी

हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्र, उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले से बाँस व घास से निर्मित शिल्प, देहरादून से जूट व ऊन से बने फोल्डर, कपड़े, बैग तथा उत्तर प्रदेश के मुरादावाद से पीतल की कलाकृतियां, कालीन, मैट, दरी, आसन आदि प्रदर्शित किए गये हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में आसाम के नौगांव जिले से काष्ठ शिल्प, बाँस शिल्प और मृदा शिल्प, बोंगाईगांव से बाँस से निर्मित कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। अरूणाचल प्रदेश के ईटानगर से काष्ठ कृतियाँ एवं ऊनी सामग्री प्रदर्शित की गई हैं। मणिपुर से पारम्परिक कला कृतियां प्रदर्शित की गयी हैं। मिजोरम से काष्ठ कला, हैंडलूम सामग्री, त्रिपुरा के उत्तरी त्रिपुरा जिले से कलात्मक कृतियां प्रदर्शित की गई हैं।

दक्षिणी राज्यों में आन्ध्र प्रदेश के चित्तूर से कादम्बरी बैग्स आदि सामग्री, श्रीकाकुलम से जूट से निर्मित सामग्री, तमिलनाडु के कुरूप जिले से हस्तनिर्मित साड़ियां, शिल्प कृतियां, चेन्नई से जूट निर्मित सामग्री, टेराकोटा सामग्री, पेपर क्राफ्ट सामग्री प्रदर्शित की गई हैं। तेलंगाना राज्य के वारंगल से काष्ठ कला और हैंडलूम सामग्री प्रदर्शित की गई हैं। केरल के वायनाड से बाँस शिल्प की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं। कर्नाटक राज्य के धारवाड़ से हस्त शिल्प, बीदर से बीदरी कला, एवं मैसूर से शंख और सीप की कला कृतियों का प्रदर्शन किया गया है।

युवाकृति के शुभारम्भ अवसर पर नेहरु युवा केन्द्र संगठन के महानिदेशक श्री असित सिंह ने स्टालों का भ्रमण कर युवाओं की हौसला अफजाई की। 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के अंतर्गत आयोजित विविध गतिविधियों में "युवाकृति" बड़े आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

युवाकृति का संयोजन नोडल अधिकारी अपूर्व शिन्दे, राज्य निदेशक, ने.यु.के.सं., उत्तराखण्ड, सहयोगी उपनिदेशक पवन अमरावत एवं जिला युवा समन्वयक राहुल डबराल एवं शैलेस भट्ट के साथ कर रहे हैं।

The Young Artists Camp

Young artist camp is an integral part of the NYF 2020. Competitions in three events in Painting, Sculpture and photography will be organized. The participants from all the states of India have come to participate in the events. They will use their traditional as well as modern mechanism to give vent to their own talents. Shri S. Vishnu Vardhan Reddy, Hon'ble Vice Chairman, NYKS inaugurated the camp on 13th of January 2020. Mr. R. Venketasam and Devender Kumar were present there. The camp will continue for three days. Rs. 12000, 10000 and 8000 amount will be given to the successful participants as award money. The countdown has started. The participants are on their toes. They have started their practice in the Young artists' camp. one may see the colors in their eyes also. Quietly they are meditating in their creations with the brush full of colors in their hand.

Reflections of some artiest of the Camp:

Gokul Singh Bani has come to participate in this Young Artists' camp for the first time. He said that he wanted to enhance his skill of paintings from the experience of this competition. He wanted to have the taste of the different cultures of his motherland India also. Saying these words he got engrossed with his own paintings with the brush in his hand. Gokul is from Almora, Uttarakhand.

Rabin Rai came all the way from Sikkim. He wants to draw Mull pokery a dream place for him in Sikkim from his own imagination.

Dindo peter came from the Zero district of Arunachal Pradesh. He was busy preparing a painting on woman empowerment. He wants to raise his protest against Woman Harassment through his paintings.

Arati Parihar from Jaipur, Rajasthan wants to keep her old memories in her canvas.

All the artists are ready to take part in the competition.

23वां राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

फिट यूथ फिट इंडिया

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/3 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Tuesday, 14 January, 2020

डिम्पल वर्मा
आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव

संख्या– /पचास–यु0क0–2020–53(विविध)/2014 टीसी 1
युवा कल्याण विभाग
उत्तर प्रदेश शासन
लखनऊः दिनाँक जनवरी, 2020

संदेश

गंगा–यमुना के पवित्र जल से अभिसिचिंत उर्वरा एवं शस्य–श्यामला उत्तर प्रदेश की इस पावन धरा पर राष्ट्रीय युवा उत्सव की मेजबानी करने का सुअवसर तीसरी बार प्राप्त हुआ है जो इस प्रदेश के लिये गौरव की बात है। गंगा–जमुनी तहजीब वाले नवाबों के इस शहर लखनऊ का 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव, 2020 की मेजबानी करना अपने आप इस उत्सव में चार–चाँद लगाता है।

23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के इस महाकुम्भ में देश के कोने–कोने से पधारे 27 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के युवा प्रतिभागी 18 प्रतिस्पर्धी एवं 05 गैर प्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धाओं में अपने हुनर का जलवा बिखेर रहे हैं तथा 12 जनवरी से 16 जनवरी, 2020 (पाँच दिन) तक चलने वाले इस युवा महोत्सव में विभिन्न भाषा–भाषी पन्थ–सम्प्रदाय के युवा–युवतियाँ एक दूसरे की बोली–भाषा व संस्कृति से रूबरू होकर अनेकता में एकता की भावना को और मजबूत करते हुये देश की एकता–अखण्डता के अग्रदूत की भूमिका निभायेंगे। मुझे विश्वास है कि युवा देश के इस युवा प्रदेश में आयोजित यह युवा कुम्भ देश ही नही अपितु पूरे विश्व को एक नयी राह दिखायेगा।

मुझे खुशी है कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह युवा उत्सव साँस्कृतिक राष्ट्रवाद की यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा।

डि० वर्मा
12/1/2020
(डिम्पल वर्मा)

मुकेश कुमार मेश्राम
आई.ए.एस.
Mukesh Kumar Meshram
IAS

आयुक्त
लखनऊ मण्डल, लखनऊ
Commissioner
Lucknow Division, Lucknow

D.O.No. / पत्रांक मेमो/पी.ए.-आयुक्त/2020
Date / दिनांक: 06.01.2020

शुभकामना सन्देश

12 जनवरी, स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा सप्ताह के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सौहार्द्र की भावना, भाईचारा एवं राष्ट्रीय एकता की अवधारणा का प्रचार प्रसार करना है। मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 12 से 16 जनवरी, 2020 के मध्य लखनऊ में हो रहा है।

युवा वर्ग किसी भी राष्ट्र का सबसे सजग, संवेदनशील, प्रगतिशील एवं महत्वपूर्ण मानव संसाधन है, जिनकी ऊर्जा को संरक्षित करना एवं राष्ट्रहित में संयोजित करना अतिमहत्वपूर्ण है। मुझे खुशी है कि भारत सरकार के युवा मामलों और खेल मंत्रालय के दो प्रमुख युवा संगठन, नेहरू युवा केन्द्र संगठन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राज्य सरकार के युवा कल्याण विभाग, युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु कार्य करने वाले अन्य आनुसंगिक हितधारकों को साथ लेकर 'युवा नेतृत्व' उभारने और उन्हे सशक्त करने के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी पहल कर रहे हैं।

हमारा भारत देश अनेक भाषाओं, मूल्यों, संस्कृतियों, पंरपराओं और विश्वासों को मानने वाले जनसमूहों का एक संघ है, 23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के दौरान हम अपनी 'विविधता में एकता' की इसी शाश्वत शक्ति का निरूपण एवं इस पर गर्व की अनुभूति करते हुए एक 'युवा भारत' की 'युवा सोच' का दर्शन करेंगे।

विश्व के इतिहास में कोई भी क्रांतिकारी बदलाव युवाओं के सक्रिय सहभागिता का परिणाम रहा है। राष्ट्रीय युवा उत्सव, युवाओं के माध्यम से राष्ट्र को नई ऊँचाई तक ले जाने की प्रतिबद्धता है।

मैं इस उत्सव में सम्मिलित होने वाले सभी युवा प्रतिभागियों एवं अपनी अहर्निश सेवाओं से राष्ट्रीय युवा उत्सव, 2020 को अविस्मरणीय बनाने वाले आयोजन समिति के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को शुभकामनायें देता हूँ।

6/01/2020
(मुकेश कुमार मेश्राम)

Mahatama Gandhi Marg, Qaiserbagh, Lucknow - 226001
Tel. : 0522-2629522 Mobile : 9454417503 Fax : 0522-2614900 e-mail : commluc@nic.in

लज़ीज व्यंजनों की खुशबू से महकता – फूड फेस्टिवल

फूड फेस्टिल में देश के अलग–अलग प्रांतों के स्टाल अपने लज़ीज व्यंजनों की महक के चलते स्वाद पसंद युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। यहां पर उत्तर–पूर्वी राज्यों के व्यंजन भी हैं तो कश्मीर का कहवा भी। उत्तर प्रदेश की चाट हैं तो दक्षिण भारत की बिरयानी भी। राजस्थान और मध्य प्रदेश की दाल–बाटी–चूरमा है तो गुजरात का खमण खाकरा एवं कचरिया भी यहां पर उपलब्ध है।

देश के हर राज्य में लोकप्रिय स्थानीय व्यंजन यहां पर उपलब्ध हैं, प्रातः 10 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक जिनका आनन्द लिया जा सकता है।

फूड फेस्टिवल में आंध्र प्रदेश की स्वर्णलता बबट्टू, कोकोनट स्वीट, रवा लड्डू एवं लेमन राइस, नागालैण्ड की अवन्हो एवं रोको के स्टाल पर नागाकरी, चाउमीन एवं बीवीक्यू, छत्तीसगढ़ की पूजा धनगर, पंकज, मानसी, काके की चाय एवं चीला, फरा, ठेठरी, बिजोरी, पपची, बिहार के सूरज शाह एवं संतोष लिट्टीचोखा एवं इमरती, दिल्ली के मोनू चौधरी आलू परांठा, वेज रोल एवं सीक रोल, हिमाचल प्रदेश के संजीव सुरेश हिमाचली बबरु, महाराष्ट्र के विशाल एवं कृष्णा इंगले बड़ा पाव, मूंगबड़ा एवं पॉपकार्न, तमिलनाडु के मनीकंडन एवं पेरुमाल इडली डोसा, पोंगला बड़ा, उत्तर प्रदेश के धर्मेन्द्र, खुशबू,

गौरव कचोरी, जलेबी, बाटी–चोखा, मथुरा का पेड़ा, उड़ीसा के भाग्यघर आलूदम, आटिसा, मिमिक काकेटा, लखनऊ उत्तर प्रदेश के सुधीर यादव, मानस राय, धीरज राय शामी कबाब, चिकन बिरयानी, पनीर टिक्का, चिकन फ्राई, खेड़ी गजक, आगरे का पेठा, उड़ीसा के गंगाधर वेजीटेबल चाय, कर्नाटक की सौंदर्य चकनी, राजस्थान के रजत भरद्वाज, महेन्द्र शर्मा और नीरज दाल बाटी चूरमा, हरियाणा के विकास जलेबी, पंजाब के सतनाम सरसौं का साग और मक्के की रोटी, केरल के बिमोज एवं अच्चू, कटहल चिप्स, उत्तपैरी गुजरात के विजय खमंड, जम्मू कश्मीर के इरशाद और मुदस्सिर, अखरोट, केसर, बादाम खुरानी, कहवा मसाला, शिलाजीत, बादामी शहद, महाराष्ट्र के पृथ्वीराज एवं अमित कोली आर्गेनिक प्रोडक्ट, गुजरात के प्रवीण सिंह खाकरा कचरिया, राजस्थान के मनोहर सिंह बीकानेरी भुजिया, पंजाब के हरजिंदर सिंह बड़ी अमृतसरी पापड़, बिहार के सौरभ मिश्रा तिलकुट, जम्मू कश्मीर के दीन मोहम्मद कहवा, कश्मीरी चाय, केशर चाय, पश्चिम बंगाल की नोवोदिता जाना एवं शुभम रसगुल्ला, मलाई चमचम, रोल, फिश फ्राय, मध्य प्रदेश के महेश नागर रतलामी सेव, झारखंड के प्रिया कुमार हुसका एवं बड़वे की रोटी, उत्तराखंड के पंकज नेगी झंगोटे की खीर, कफली चावल रोट, तेलांगना की श्रीजी एवं चंद्रशेखर चिकन बिरयानी, मिर्ची भज्जी, बक्स आलू एवं मध्य प्रदेश की मोनिका, भूपेन्द्र, शाक्षी, विनीता एवं प्रवीण दाल, वाफला, बाटी, नमकीन एवं लड्डू का स्टाल लेकर आए हैं।

स्टाल लेकर आए युवाओं ने बताया कि उनमें से अधिकांश युवा इस तरह के राष्ट्रीय कार्यक्रम में पहली बार सम्मिलत हो रहे हैं जो उनके लिए एक अलग अनुभव है। उनके स्टालों पर बिक्री भी हो रही है और आगनतुक उनके व्यंजनों के बारे में जानकारी भी प्राप्त कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री अशोक चरारिया, नेहरू युवा केन्द्र संगठन के महानिदेशक एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री असित सिंह एवं उपाध्यक्ष श्री दिनेश प्रताप सिंह ने फूड फेस्टिवल के विभिन्न स्टालों का भ्रमण कर युवाओं को प्रोत्साहित किया।

NYKS Nehru Yuva Kendra Sangathan नेहरु युवा केन्द्र संगठन

फिट यूथ फिट इंडिया

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/3 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Tuesday, 14 January, 2020

उत्साह, उमंग से मनाई लोहड़ी

पंजाब के हजारों युवा घर से भले दूर हैं लेकिन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हजारों युवाओं ने शाम होते ही लोहड़ी मनाई। इन दौरान मनविन्दर, सुखविंदर, सुरजीत कौर सहित अनेक युवा ढ़ोल की थाप पर थिरकते हुए नजर आए। जुपिटर हाल के सामने नृत्य करते युवा उत्साह उमंग से सराबोर थे। युवाओं ने अपने जोश से पूरा माहौल लोहड़ी मय कर दिया। मनविंदर ने बताया कि हम भले ही घर से दूर हैं लेकिन यहां युवा उत्सव में हमें ज्यादा अच्छा लग रहा है।

Fit Youth Fit India

"If you can stand, do not sit,
If you can walk, do not stand,
If you can run, do not walk"

Going by an old saying that 'A healthy mind resides in a healthy body'.

No matter how advanced the Gen. Z is, in terms of technology, millennials today have adopted a sedentary lifestyle aiding to the progression of various lifestyle diseases such as blood pressure hyper tension, diabetes and other cardio-vascular ailments. Technology leapfrogging has sequestered our involvement in intensive daily activities. Youth Icons as well as District Youth Coordinators posted in various districts should become agents of social change by practicing what they preach.

To this end one should first motivate him/herself, then his/her spouse, his/her siblings and finally the society at large. Indulge in physical activity for at least one hour a day to keep the body and mind fit. At village level, formation of 'walking clubs' by members of the Yuva Mandals is the first call of action that needs to be taken to create a healthy suburb. Change your habit in two minutes and make yourself fit.

Ministry of Youth Affairs and Sports along with various stakeholders is organising a Fit India Cyclothon on the 18th of January. Also, Walkathon and Fit India Traditional Games at various places would be organised in next few months.

(The crux of the address of Shri Radhe Shyam Julaniya, Secretary, Youth Affairs & Sports, Govt.of India. He addressed officials, NYVs and Youths on 7th Junary, 2020 through Videio Conference).

'आजादी 70' देशभक्ति महानाटक की प्रभावी प्रस्तुति

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के विवेकानंद हाल में 'आजादी 70' महानाटक प्रस्तुत किया गया। महाराष्ट्र की चौरंग संस्था द्वारा इसे पेश किया गया। 1947 से पहले आजादी के संघर्ष के बारे में दिखाया गया। राम और बुद्ध के दौर के संघर्ष से होते हुए आचार्य चाणक्य तक के संघर्ष को कलाकारों द्वारा मंचित किया गया। जीवंत प्रदर्शन को देखकर लोग रोमांचित हो उठे।

राजस्थान में मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप से मुगलों की लड़ाई की बात भी दिखाई गई। इस महानाटक को 1947 की आजादी के साथ जोड़ा गया था। कैसे भारत की आजादी के लिए आंदोलन चला. और इसके साथ ही साथ आजादी की लड़ाई के लिए देश के जवानों को शहीद होना पड़ा। चन्द्रशेखर, भगत सिंह के बलिदान को दिखाया गया। इस महानाटक में देश के लगभग 5000 वर्षों के इतिहास की भव्यता दिखाने का प्रयास किया गया।

एडवेंचर विलेज का शुभारम्भ

23वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के अन्तर्गत एडवेंचर विलेज का आयोजन नेहरू युवा केंद्र एवं युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षा दल ने संयुक्त रूप से पी आर डी ग्राउंड, जेल रोड पर किया गया है। इस कार्यक्रम का उदघाटन युवा कल्याण एवं खेल विभाग के राज्य मंत्री उपेन्द्र तिवारी द्वारा किया गया।

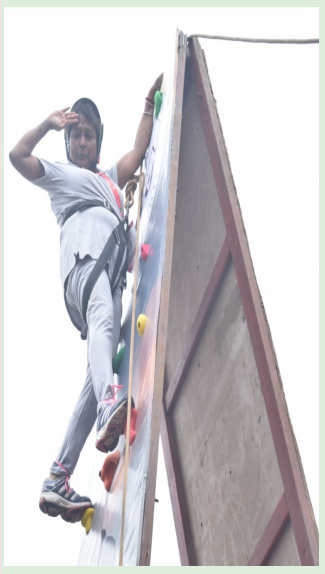

उद्घाटन के साथ ही साहसिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। मंत्री और युवा कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव डिंपल वर्मा तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय एवम नेहरू युवा केंद्र के वाइस चेयरमैन दिनेश प्रताप सिंह एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की उच्च अधिकारियों ने बर्मा ब्रिज, आर्चरी, गन सू. टिंग, रॉक वॉल में भाग लेकर युवाओं का मनोबल बढ़ाया।

युवाओं को प्रेरित करते हुए मंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के द्वारा चलाए गए फिट इंडिया मूवमेंट से जुड़ने का आह्वान दिया और अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ वासियों को एडवेंचर विलेज में आने का निमंत्रण दिया। 13 से 15 जनवरी तक चलने वाले एडवेंचर विलेज में गन सूटिंग, जारबिंग बॉल, आर्टिफिशियल रॉक वॉल, प्लांक वॉक, फॉक्स फ्लाइंग,रैपलिंग, टायर स्विंग, स्पाइडर वेब, बर्मा ब्रिज, मोंकी क्रॉल, कमांडो नेट और आर्चरी जैसी साहसिक गतिविधियां शामिल हैं। इन गतिविधियों में कोई भी युवा अपना रजिस्ट्रेशन करा कर भाग ले सकते हैं।

उद्घाटन के अवसर पर, पंजाब के डायरेक्टर और साह. सिक कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर श्री सुखदेव सिंह जी, विभाग के स्पेशल सेक्रेट्री श्री आर एस गुप्ता जी, श्री एन एन शाह जी, परमिंदर सिंह जी, डॉक्टर लाल सिंह जी, रजत वर्णवाल जी और युवा कल्याण अधिकारी और कार्यक्रम के समन्यवक रामप्रताप सिंह, उपनिदेशक अजातशत्रु शाही, संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

शहर के मंचों पर युवा लोक कलाकारों का उन्मुक्त प्रदर्शन

राष्ट्रीय युवा उत्सव के गैर प्रतियोगी वर्ग में युवाओं को उन्मुक्त होकर अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। लखनऊ शहर के जीपीओ ग्राउंड, रूमी दरवाजा एवं 1090 चौराहा पर गैर प्रतियोगी वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रदेशों की लोक कलाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। कलाकारों का उत्साहवर्धन करने ने.यु.के.सं. के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह उनके बीच पहुंचे।

13 जनवरी की संध्या सिक्किम, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, गोवा और पंजाब के युवाओं के नाम रही। चूंकि शहर के अलग अलग प्रमुख स्थानों पर आयोजित की जा रही सांस्कृतिक संध्याओं में कलाकारों पर प्रतियोगिता का दबाव नहीं रहता है, अतः उनका प्रदर्शन उन्मुक्त एव स्वाभाविक होता है। कलाकार का पूरा ध्यान अपनी रचनात्मकता एवं श्रेष्ठतम प्रदर्शन पर रहता है। कलाकारों की इस उन्मुक्तता को दर्शकों का भी भरपूर प्रतिसाद मिल रहा है। राह चलते लोग वाद्ययंत्र एवं गीतों की स्वरलहरियों से आकर्षित होकर स्वमेव ही प्रदर्शन देखने आ रहे हैं और शहर के तीनों मंच भारत की समृद्ध लोक कलाओं को जीवंत कर रहे हैं। गैर प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का संयोजन नोडल अधिकारी सैमसन मसीह, राज्य निदेशक, हिमाचल प्रदेश, आर. एन. त्यागी, उपनिदेशक, प्रदीप कुमार, निशार अहमद, नरेश शर्मा, हकीम अब्दुल अजीज, जिला युवा समन्वयक एवं मुकंद वल्लभ शर्मा द्वारा किया जा रहा है।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

फिट यूथ फिट इंडिया

23वां राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/3 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Tuesday, 14 January, 2020

वन एक्ट प्ले
भावनाओं की जीवंत अभिव्यक्ति

राष्ट्रीय युवा उत्सव 2020 के दूसरे दिन सोमवार को बीबीडी विश्वविद्यालय के सभागार में वन एक्ट प्ले के तहत युवाओं ने अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया। इस दौरान मणिपुर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, आंध्र प्रदेश, गुजरात और पश्चिम बंगाल की टीमों ने अपना हुनर दिखाया।

राजस्थान के युवाओं ने वेटिंग रूम पर केन्द्रित 'सफर में' नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से युवाओं ने रिश्तों की अहमियत को प्रदर्शित करने का प्रयास किया। नाटक की निर्देशक डॉ. मेघा ने बताया कि हम पहली बार राष्ट्रीय युवा उत्सव में शामिल हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के युवाओं ने प्रकृति पर केन्द्रित प्रस्तुति दी। 'मैन अगेंस्ट नेचर' नाटक के दौरान कलाकारों ने प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ को दिखाया। साथ ही प्रकृति को बचाये रखने और उनसे खिलवाड़ न करने की बात कही। इस नाटक के निर्देशक आशीष मिश्रा ने बताया कि इस नाटक के सभी कलाकार सीतापुर से आए हैं।

पंजाब के युवाओं ने महिला उत्पीड़न पर केन्द्रित 'काशिमा' नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के निर्देशक कशिश देवगन ने बताया कि देश में हुई बलात्कार की घटनाओं के आधार पर इस नाटक को तैयार किया गया है।

आंध्र प्रदेश के युवाओं ने 'स्मुहा' नाटक पेश किया जिसकी थीम 'बीइंग ए हयूमन' थी। इस नाटक के माध्यम से मानव समाज की संवेदनशीलता के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालने की कोशिश की गई। निर्देशक एम जयंत ने बताया कि लोगों का मशीनों के प्रति बढ़ता झुकाव मानव जाति के लिए कितना नुकसानदेय है, नाटक की विषय वस्तु इसी पर केन्द्रित है।

कोलकाता से आए युवाओं ने पेड़ों को बचाने की थीम पर केन्द्रित 'इको ट्री' नाटक प्रस्तुत किया। इनके निर्देशक अमित कुमार बिश्वास ने बताया कि इसके माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया है।

गुजरात से आये युवाओं ने 'सिंह आंख्यां' नामक नाटक को पेश किया। नाटक के निर्देशक वत्सल सेठ ने बताया कि इस नाटक के माध्यम से इंसान और प्रकृति के संबंधों के बारे में संदेश दिया गया है।

सुविचार:
पानी और नारी का सम्मान है जरुरी

सुविचार एवं युवा सम्मेलन का आरम्भ सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार के उप उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने दी प्रज्ज्वलित करके किया। जल पुरुष राजेन्द्र सिंह एवं पर्वतारोही अरुणिम सिन्हा ने इस अवसर पर युवाओं को विशेष तौर पर उधबोधित किया। उपमुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने युवाओं को आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के जीवन आदर्शो से प्रेरणा लेकर नए भारत के नव निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा, भारत एक महान संस्कृतियों वाला प्राचीन राष्ट्र है जिसकी विविधता ही उसकी असली पहचान है।

परिवहन मंत्री अशोक कटियार ने युवा उत्सव में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 21वीं सदी का युवा आज कई दृष्टि से खास है। इन्हीं युवाओं के बल पर हम एक बेहतर राष्ट्र बनाने में सफल हो पाएंगे। आरम्भ सत्र की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने की।

सुविचार एवं युवा समागम कार्यक्रम के प्रथम वक्ता के रूप में जल पुरुष मैग्सेसे पुरस्कार सम्मानित डॉ राजेंद्र सिंह ने जल प्रबंधन के क्षेत्र में युवाओं की भूमिका पर बोलते हुए कहा कि जल की एक–एक बूंद महत्वपूर्ण है और हमें उसके संरक्षण के लिए लगातार प्रयास करना है। उन्होंने अपने जल संरक्षण अभियान के आरंभ की चर्चा करते हुए युवाओं को सच्चे मन से इस कार्य से जुड़ने की अपील की। अपने उदबोधन के दौरान राजेन्द्र सिंह ने युवाओं से जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने की बात कही। उन्होंने ये भी कहा कि देश तभी तरक्की कर सकता है जब नारी और प्रकृति दोनों का बराबर सम्मान किया जाए। राजेन्द्र सिंह देश के विकास का रास्ता बताते हुए कहते है कि हमें नारी और नीर का सम्मान करना होगा, यही एक मात्र विकास का रास्ता है।

राजेन्द्र सिंह ने कहा कि युवाओं के गांव से शहर की ओर पलायन करने का कारण भी नदियों का सूखना ही है।अगर नदियों को पुनर्जीवित किया जाए तो शहर से युवा वापस अपने गांव आकर खेती करेंगे जिसके बेरोजगारी का संकट भी टलेगा। भगवान का अर्थ है भूमि, गगन, वायु, अग्नि और नीर। नीर यानी पानी, प्लैनेट के 118 एलिमेंट में से 109 एलिमेंट को अपने अंदर डिजाल्व कर लेता है।

दूसरी वक्ता पद्मश्री पर्वतारोही डा0 अरुणिमा सिन्हा ने युवाओं को बाज के जीवन से संघर्ष सीखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक दुर्घटना के कारण जब उन्होंने अपना पैर गवां दिया, जीवन के गहन अंधकार में भटक जाने की दिशा में थी। तब उन्होंने अपने सकारात्मक ऊर्जा और सोच के बल पर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर विजय प्राप्त की। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख सचिव डा. डिंपल वर्मा ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर डा0 अरुणिमा सिन्हा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के युवा आइकॉन ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक सर्वश्री एस. पी. भटनागर, श्री के. वी. खादरी और श्री कार्तिकेयन, उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयक डा. बाला लखेन्द्र, बनारस विश्वविद्यालय, डा. मंजू सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डा. सोमपाल सिंह, बरेली विश्वविद्यालय, डा. द्विवेदी, लखनऊ विश्वविद्यालय व कार्यक्रम अधिकारी डा. संतोष कुमार पाण्डेय, डा. मनीष तिवारी, डा. अशोक वर्मा, डा. शशिकला शुक्ला, डा. सपन सिन्हा, डा. शशिकला मिश्रा, डा. अर्चना राजपूत, डा. अंशुमालि शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सुविचार एवं युवा समागम कार्यक्रम का आरंभ भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक डॉ अशोक श्रोती के स्वागत, अवधारणा एवं परिचय उद्बोधन से हुआ। भारत सरकार युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय के उपसचिव, सौरभ शाह, जितेन्द्र चडड्ढ़ा, अवर सचिव रवि सिन्हा और गोपाल सिंह सहित अन्य अधिकारियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती डिम्पल वर्मा, युवा कल्याण विभाग ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन राहुल सिंह परिहार, प्रशिक्षक ई.टी.आई. मध्य प्रदेश ने किया।

युवा समागम में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्यों के लिए छह युवाओं को यूथ आइकन अवॉर्ड वितरित किए गए। इनमें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतापगढ के अजय क्रान्तिकारी, योग विज्ञान में विशेष योगदान के लिए शिवम कुमार, खेलों में रेप्लिंग में विश्व चौंपियन बने विशवदीप कौशिक को, असद साजिद को विशेष प्रयासों को लिए तो प्रयाग के विनय पांडे को गंगा प्रदूषण पर कार्य के लिए यूथ आइकन अवॉर्ड दिए गए।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23RD NATIONAL YOUTH FESTIVAL-2020
12-16 JANUARY, 2020 | LUCKNOW

साथ साथ कल की ओर...

Vol. 23/3 Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter Tuesday, 14 January, 2020

प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों की झलकियां

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

23वां राष्ट्रीय युवा उत्सव लखनऊ

साथ साथ कल की ओर...

फिट यूथ फिट इंडिया

Vol. 23/3 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Tuesday, 14 January, 2020

Folk Dances: the life line of Indian Culture

One of the most interesting parts of the NYF-2020 is the folk dances of from different states of India. The colourful costumes and props and the flavor of the soil of India was presented by the artists belonging to different states of India. The event took place at the hall in Jupiter under competitive events. 10 teams from different parts of India presented their folk culture before the audience at the first day. The competitions will continue.

The team of Jharkhand came with their Manbhum Chhau. This is in fact a traditional dance. The artists presented the killing of Mahisasur by Devi Bhagabati (Known as Devi Durga).

Lai Haraobe a ritualistic festival through dance form of Manipur where the people in the form of God and Goddess dance in their full ecstasy. They dance is performed just to bring happiness and peace in the earth.

The Aradhi dance of Maharashtra which the dancers performed is one of the popular dance forms of Sourastha, Gujrath. The dance tell us of the three and half Shakti peethas in, Tulja Bhavani in Tuljapur, Ambabati in Kolhapur, Renuka Devi at Matripur and Saptasrungi temple at Vani. This is known as Haf Shakti peeth of Shakti.

Hudo is one of the oldest as well as popular dance form of Gujarath. This is the dance belonging to the Bharwad tribe of Gujrath. The dance originated from the fights of the sheep.

Domkoch is one of the dance forms of Chhattisgarh which is performed by Adibasi youth. They perform this dance to celebrate any kind of auspicious event.

'Kesaria balam aawo ni pdhaaro mhare desh'… When the people of Rajasthan gives vent to their happy feeling they sing this folk song.

The Kulvi natti is a dance form of Kullu district of Himachal Pradesh. They perform the dance when they are in happy mood like worshipping any deity or when they celebrate their ceremonies like marriage etc.

Nabanna is a Bengali harvest celebration in Tripura. They worship goddess Lakshmi during this time and prepare different kind of sweets with milk and rice powder.

Uttar Pradesh and Jammu & Kashmir also presented their folk culture in full colours. The hall was full with audience. The claps of the audience showed that they enjoyed all the dances to its fullest. The exqusit blend of the cultures of different states of India will be ringing the hearts of the audience for a long time.

23rd National Youth Festival, Lucknow, Uttar Pradesh

Programme : 12-16 January, 2020

Date	Event	Venue	Time	
			From	To
14.01.2020 to 15.01.2020	Yuva Kriti	Yuva Shilp Gram, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am	8.00 pm
	Food Festival	Yuva Shilp Gram, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am	8.00 pm
	Young Artist Camp	Opp. Mars Hall, Sun Square, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am	5.00 pm
	Suvichar and Youth Convention	Vivekanand Sabhagar, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.30 am	3.00 pm
	Cultural Evening	Vivekanand Sabhagar, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	05.00 pm	7.00 pm
	Adventure Camp	PRD and Home Guard Parade Ground, Jail Road, Lucnow	11.00 am	5.00 pm
	Non-Competitive Event	1090 Chauraha Rumi Gate G.P.O. Park	3.00 pm 3.00 pm 3.00 pm	6.00 pm 6.00 pm 6.00 pm
14.01.2020 to 15.01.2020	One Act Play	B.B.D. University Auditorium, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 m
	Folk Dances	Jupiter Hall, Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
14.01.2020	Classical Instrumental Solo - Sitar - Flute	Rajya Manav Adhikar Bhawan Auditorium, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Classical Dances - Odissi - Kuchipuri	Mercury Auditorium, Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Carnatik Vocal Solo	Pluto Hall, ndira Gandhi Pratishthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
15.01.2020	Elocution	Mars Auditorium, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Classical Instrumental Solo - Mridangam - Guitar)	Rajya Manav Adhikar Bhawan Auditorium, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Bharat Natyam	Mercury Auditorium, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
	Harmonium (Light)	Pluto Hall, Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	10.00 am 2.30 pm	1.00 pm 6.30 pm
16.01.2020	Closing Ceremony	Indira Gandhi Pratisthan, Lucknow	11.00 am onwards	

Published by The Media Wing, Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi. | www.nyks.nic. | E-mail: medianyf2020@gmail.com
Printed by Tanveer Technographics, Lucknow.